

## रेलवे में राजभाषा पखवाड़ा-2026 का समापन

महाप्रबंधक ने विभागों एवं रेलकर्मियों को राजभाषा पुरस्कारों से किया सम्मानित

कवि सम्मेलन में गीत, हास्य-व्यंग्य और काव्य प्रस्तुतियों ने बांधा समां

जबलपुर। हिंदी की सरलता, सहजता और समावेशी प्रकृति इसे देश को एक सूत्र में जोड़ने वाली सशक्त भाषा बनाती है। भारतीय रेल भी देश के विभिन्न क्षेत्रों, भाषाओं और संस्कृतियों को जोड़ने का कार्य करती है। इस दृष्टि से भारतीय रेल और राजभाषा हिंदी दोनों ही देश की एकता और आपसी जुड़ाव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह विचार पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह ने राजभाषा पखवाड़ा-2026 के समापन समारोह में व्यक्त किए।

गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग एवं रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार पश्चिम मध्य रेलवे में 14 से 30 सितंबर 2026 तक राजभाषा पखवाड़ा आयोजित किया गया। पखवाड़े का समापन 07 अक्टूबर 2026 को महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित भव्य समारोह के साथ हुआ। समारोह में राजभाषा पुरस्कार वितरण एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग हम सभी की जिम्मेदारी

महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह ने कहा कि हिंदी की स्वीकार्यता और उपयोगिता निरंतर बढ़ रही है तथा इसका विस्तार देश की सीमाओं से परे विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में भी हो रहा है। उन्होंने रेलवे बोर्ड स्तर पर राजभाषा के क्षेत्र में पुरस्कार प्राप्त करने वाले अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने पश्चिम मध्य रेलवे के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपने दैनिक शासकीय कार्यों में अधिकाधिक हिंदी का प्रयोग करने का आह्वान किया।

उत्कृष्ट राजभाषा कार्य के लिए विभाग एवं रेलकर्मि सम्मानित

समारोह में वर्षभर राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं सराहनीय कार्य करने वाले विभागों, कार्यालयों एवं रेलकर्मियों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पश्चिम मध्य रेलवे मुख्यालय के सामान्य प्रशासन विभाग को “अंतर विभागीय राजभाषा शील्ड”, इंजीनियरिंग विभाग को “अंतर विभागीय राजभाषा ट्रॉफी” तथा सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, भोपाल को “अंतर कारखाना राजभाषा शील्ड” प्रदान की गई।

इसके अतिरिक्त पश्चिम मध्य रेलवे मुख्यालय, तीनों मंडलों, कारखानों एवं अन्य कार्यालयों में कार्यरत 25 रेल अधिकारियों एवं 49 कर्मचारियों को नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके उत्कृष्ट राजभाषा कार्यों को सम्मानित किया गया।

राजभाषा कार्यों से हिंदी के प्रयोग का सकारात्मक वातावरण

मुख्य राजभाषा अधिकारी सह प्रमुख मुख्य इंजीनियर श्री आशुतोष ने कहा कि पश्चिम मध्य रेलवे मुख्यालय सहित तीनों मंडलों, कारखानों एवं अन्य कार्यालयों में हिंदी दिवस एवं राजभाषा पखवाड़े के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के साथ-साथ राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा और उनमें और अधिक सुधार की दिशा तय करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की राजभाषा नीतियों का पालन करना हम सभी का संवैधानिक कर्तव्य है।

कवि सम्मेलन ने जमाया साहित्यिक रंग

समापन समारोह का कवि सम्मेलन कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। विभिन्न स्थानों से आए कवियों ने गीत, हास्य एवं व्यंग्य की प्रभावशाली प्रस्तुतियों से सभागार को साहित्यिक रंग से सराबोर कर दिया।

देवास के श्री शशिकांत ‘शशि’, कटनी के श्री मनोहर मनोज, बिलासपुर के प्रोफेसर डॉ. राजेंद्र मौर्य, बालाघाट के श्री राजेंद्र शुक्ला ‘सहज’, सागर के श्री सचिन ‘भारत’, शामगढ़ (कोटा) की सुश्री मुस्कान खान तथा भोपाल की श्रीमती संगीता ‘सरल’ एवं श्री राकेश मालवीया ‘प्रखर’ ने अपनी विविधतापूर्ण काव्य प्रस्तुतियों से श्रोताओं का मन मोह लिया।

कवियों की हास्य-व्यंग्य एवं गीतात्मक प्रस्तुतियों पर सभागार में लगातार तालियां गूंजती रहीं। कवि सम्मेलन ने राजभाषा पखवाड़े के समापन समारोह को साहित्य, हास्य और मनोरंजन से भरपूर यादगार स्वरूप प्रदान किया।

समारोह में पश्चिम मध्य रेलवे के अपर महाप्रबंधक एवं प्रमुख मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता श्री एकनाथ मोहकर सहित सभी विभागों के प्रमुख, महिला कल्याण संगठन के पदाधिकारी, पुरस्कार विजेता अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में रेलकर्मि उपस्थित रहे।